Naidunia (Indore), 26th January 2024, Page No. 11

आइआइटी इंदौर के उज्जैन सेटेलाइट परिसर को मिली सैद्धांतिक स्वीकृति

भोपाल (राज्य ब्यूरो)। आइआइटी इंदौर के उज्जैन में सेटेलाइट परिसर को सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। इससे पूरे देश और विशेष रूप से मध्य प्रदेश के छात्रों, शिक्षकों और औद्योगिक कर्मियों को लाभ मिलेगा। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में संचालित किए जाने वाले कोर्स में तकनीकी सलाहकार के रूप में आइटीइ सिंगापुर के स्थान पर अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली को तकनीकी सलाहकार बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। यह जानकारी मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने गुरुवार को दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा व कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को दी।

उन्होंने बताया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर द्वारा उज्जैन में सेटेलाइट परिसर स्थापित करने की परियोजना तैयार कर वर्ष 2023 में स्वीकृति के लिए भेजी थी, जिसे सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली द्वारा महिला पालीटेक्निक भोपाल में आगमेंटेड रियलिटी/वर्चुअल रियलिटी, जबलपुर इंजीनियरिंग कालेज में इंटरनेट आफ थिंग्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा उज्जैन इंजीनियरिंग कालेज में ब्लाकचेन कोर्स स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक कोर्स में राज्य के एक हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राज्य द्वारा स्थापित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा आगमेंटेड रियलिटी/वर्चुअल रियलिटी के क्षेत्र में सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित किया जा रहे हैं।

असीरगढ़ किले में बनेगा सेनानी वीर सुरेन्द्र का स्मारक

डा. यादव ने इन सभी नवाचारों में सहयोग के लिए केंद्रीय मंत्री को धन्यवाद दिया और इनके शुभारंभ के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को बताया कि ओडिशा के स्वतंत्रता सेनानी वीर सुरेन्द्र साईं ने असीरगढ़ किले के कारावास में 35 साल से अधिक समय गुजारा था। इस पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार द्वारा शीघ्र ही असीरगढ़ किले में स्वतंत्रता सेनानी वीर सुरेंद्र साईं की प्रतिमा स्थापित कर उनके सम्मान में स्मारक बनाया जाएगा। इससे मध्य प्रदेश और ओडिशा के सांस्कृतिक संबंध मधुर और प्रगाढ़ होंगे।